हजारों निरर्थक शब्द कहने की बजाए एक शब्द कहना बेहतर है जिससे शांति कायम हो

– गौतम बुद्ध

## वाम उग्रवाद :- प्रसार और तीव्रता

- गृह मंत्रालय के अनुसार इस समय नौ राज्यों यथा आंध्रप्रदेश, CG, MP, MH, झारखण्ड, ओडीशा, UP, बिहार और पश्चिम बंगाल में 76 जिले चरमपंथी वाम उग्रवाद से प्रभावित हैं। जिन्होंने एक लगभग सतत गलियारा बना लिया है। इसमें अधिकांश प्रभावित इलाके प्रमुख रूप से आदिम जातियों द्वारा बसे वन क्षेत्र हैं।

## आंदोलन की "प्रकृति" एवं विशेषताएं

- यह आंदोलन मुख्यत: कृषि संबंधी रहा है।
- आंतरिक सुरक्षा की बड़ी चुनौती
- सरकारी तंत्र को कामकाज न करने की स्थितियां पैदा करता है।
- व्यापक भौगोलिक कवरेज "जिससे उग्रवाद" संघर्ष परिदृश्य" पर गहरी छाप छोड़ता है।
- परिस्थितियां बाध्यकारी अधिक हैं- स्वैच्छिक कम।

## वाम उग्रवाद क्यों ?

GENERAL STUDIES HINDI

केंद्र बिंदु – जहाँ वंचित एवं शोषित वर्गों की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा निवासरत है प्राय: ये वन क्षेत्र वाम उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देने हेतु "साधन और शिकार" बन जाते हैं।

## कारणों पर चर्चा

- (i) भू संबद्ध कारक – जमीनों पर अनधिकृत कब्जा
  - भूमिहीन मजदूरों द्वारा जोत भूमि पर हकदारी न होना
  - विस्थापन और जबरदस्ती बेदखली, हर्जाना न देना, पुनर्वास बिना भू अधिग्रहण
- (ii) आजीविका संबंद्ध :- खाद्य सुरक्षा का अभाव, PDS में भ्रष्टाचार.
  - वैकल्पित आय स्रोत का अभाव.
- (iii) सामाजिक अधिकार – अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूर, हीनता की भावना.

(10) सरकार संबद्ध कारक — पुलिस कर्मचारियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग
कार्मिक प्रशासन की अनियमितता

(1) भू संबंधी विवादों का निदान/समाधान :-

- भू-परिसीमन लागू करना
- अधिशेष भूमि का वितरण
- जोतों की चकबंदी
- भू- ~~विखराव~~ बिखराव पर रोक
- काश्तकारों के अधिकारों का संरक्षण
- परती भूमि का निपटान
- भूमिहीन कृषकों और बटाई (Batai) पर खेती करने वालों की संख्या में कमी करके।

उदा० आंध्रप्रदेश में

* वाम उग्रवाद संघर्षों का समाधान :- सफलताएँ और असफलताएँ

# "ऑपरेशन बर्गा" - पश्चिम बंगाल - ~~बटाईदारों~~ बटाईकर्ताओं के अधिकार हेतु।
- न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि कर गरीबों को लाभान्वित किया।

GENERAL STUDIES HINDI

# पावगड़ा तालुक (कर्नाटक) :- प्रशासन द्वारा सक्रिय भूमिका से पीछे हटने के कारण उग्रवाद पुनः फलित होता नज़र आया।

अतः उस अनुभव यह पाठ सीखा जा सकता है

"संघर्षमय स्थितियों का कोई स्थायी उपचार नहीं है राहत प्रदान करने वाले उपायों में ढील से संघर्ष पुनः कायम हो सकते हैं।

उपरोक्त सफलतम प्रयासों के विपरीत छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले के 12 ब्लॉक उग्रवाद से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। जिसकी शुरुआत स्थानीय प्रतिरोध दलों नामतः सलवा जुडुम द्वारा शुरू किया गया था।

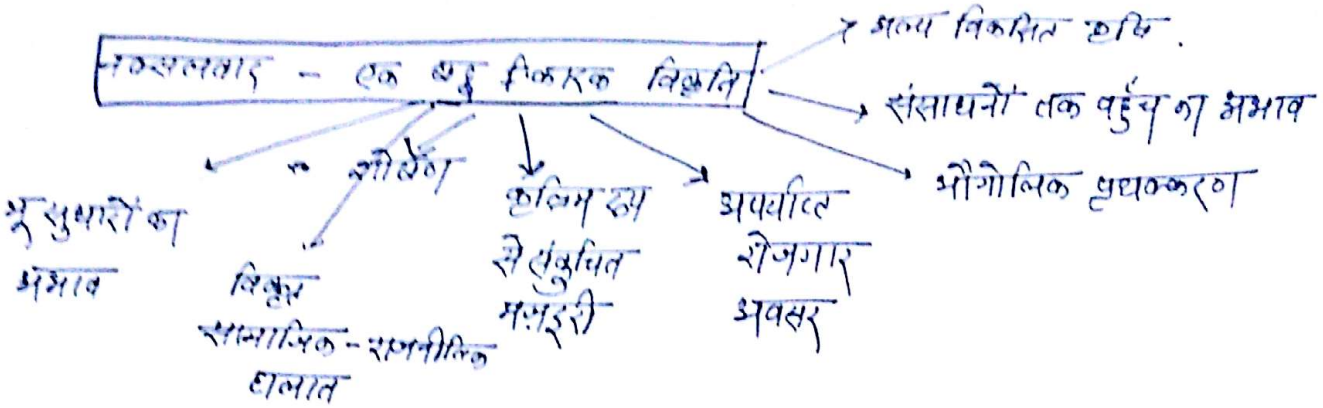


★ वाम उग्रवाद का प्रबंधन - राजनीतिक प्रतिमान

- नक्सलियों के विरुद्ध स्थानीय प्रतिरोध समूहों को प्रोत्साहित करना
- सशस्त्र युवाओं को नक्सलवाद की परिधि से दूर रखना.
- एक अंतर-राज्य समस्या होने के नाते, इसकी कार्यवाही मिलकर (समन्वित) ~~रूप~~ से की जावे।
- प्रभावी समर्पण व पुनर्वास नीति द्वारा - उदाहरण - आंध्रप्रदेश
- सिविल सोसायटी द्वारा.

# सुरक्षा बलों (पुलिस सहित) का क्षमता निर्माण

आंध्रप्रदेश में "ग्रेहाउन्ड्स" की तरह विशिष्ट रूप से प्रशिक्षित विशेष कार्य बलों का गठन पुलिस बल में क्षमता निर्माण की कार्यनीति का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

- सशस्त्र पुलिस में जनजातीय बटालियनों के गठन द्वारा।
- स्थानीय युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में भर्ती। (Special police officers)

# प्रशासनिक ~~व्यवस्था~~ पद्धतियों का क्षमता निर्माण.

- प्रशासनिक और न्यायिक प्रणाली में नम्यता लाए ~~जाने~~ की जानी चाहिए।
- राजस्व व विकास विभागों के अधिकारियों को न्यायिक व मजिस्टीरियल अधिकार प्रदान करने पर विचार किया जा सकता है।

GENERAL STUDIES HINDI

## सरकारी कार्मिकों के बीच क्षमता निर्माण

चुनौतियाँ :- जनजातीय क्षेत्रों में पोस्टिंग को अधिकारी सज़ा के तौर पर लेते हैं।
गैर जनजातीय (बाहरी लोग) द्वारा सेवा प्रदान करना, एक बाध्यता है
- जब तक उन्हें (अधिकारियों को) वैकल्पित नियुक्ति/ पद प्राप्त न हो।

- सरकारी मशीनरी का वैयक्तिक सुरक्षा को लेकर आशंकित होना।

समाधान :- नियुक्ति ऐसे पदाधिकारियों की होनी चाहिए जो इन क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु अपनी भूमिका की प्रतिबद्धता महसूस करें।
- समुचित सुरक्षा व्यवस्था प्रदाय होना चाहिए।

## स्थानीय निकायों में क्षमता निर्माण

- पेसा - पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 —
~~अस्~~ इसके अनुसार जल स्थलों, परती भूमियों, लघु वन उत्पादों ~~को~~ (ग्रामीण आम-परिसंपत्तियों) को ग्राम समुदाय की सामुदायिक मिल्कियत के अंतर्गत लाया गया है।
- पेसा को पंचायतों के निर्णयों के अनुसमर्थन, कार्यान्वयन का सत्यापन या अनुसमर्थन न करने का अधिकार प्राप्त है।

- पेसा- गांव की परंपराओं, संस्कृति और पहचान का अभिरक्षक

## सिविल सोसायटी संगठनों में क्षमता निर्माण

- 'एन-जी-ओ' खुद उग्रवादियों के लिए मोर्चा हो सकता है।
- यद्यपि इन संगठनों में कुछ काली भेड़ें हो सकती हैं तथापि इसमें कोई संदेह है कि वे सरकार और उग्रवाद के बीच सेतु का काम करती हैं।
- जन शिकायतों को उजागर कर स्थिति को और गंभीर बनने से रोकने में सक्षम हैं।

नक्सलियों के धन के स्रोतों को समाप्त करना

उग्रवादी आंदोलन की भांति नक्सली आंदोलन भी धन की उगाही अपने आप को बनाए रखने के लिए करता है।

धन के स्रोत :- परियोजनाओं को निष्पादित करने वाले ठेकेदारों से जबरन वसूली द्वारा
- वन व अ'खाद्य प्रचालनों द्वारा।
- गैर कानूनी खनन एवं वन उत्पाद के संग्रह से।

समाधान - समस्या के प्रति दृष्टिकोण संतुलित और विकास, राजनीति व पुलिस एक विवेकपूर्ण मिश्रण के साथ बहुआयामी हो तो स्थिति से निपटा जा सकता है।

GENERAL STUDIES HINDI